बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी – १९ जून, २००५)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००) **सत्संग प्रवीण - २** **कुल प्राप्तांक : १००**

नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण -प्रथम आवृत्ति, अप्रैल - २००३

प्रश्न.१. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (किन्हीं दो) **(६ गुण)**

१. ''इस सेवा के बदले मे आशीर्वाद देते हैं ।'' ३१
२. ''आप सब बंधिया से आ रहे हो ?'' ८९
३. ''हमने तो किसी ऐसे पंथ के बारे में नहीं सुना है ।'' ६५
४. ''कहाँ थे इतने दिन ?'' ९२

प्रश्न.२. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. कनोज के ब्राह्मणों ने जगन्नाथपुरी छोड़ दी । ५६
२. प्रसन्न होकर प्रगट भगवान जेठा मेर के यहाँ पधारे । ५५
३. अद्‌भुतानंद स्वामी के भाई ने दीक्षा ले ली । १४
४. सोमला खाचर ने अपनी सारी जमीन भगवान स्वामिनारायण के चरणों में अर्पण कर दी । २९

प्रश्न.३. निम्न विषय पर मुद्‌दानुसार टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **(८ गुण)**

१. आज्ञा का बड़ा महत्व है । ७०

अथवा

१. महाराज ने मूलजी और कृष्णजी को कहा : आप यहाँ नहीं रह सकते । ९२
२. महाराज की आज्ञापालक रामबाई । ७७

अथवा

२. संप्रदाय के तीर्थस्थान । २४

प्रश्न.४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । **(६ गुण)**

१. राजाभाई को क्यों तप त्याग, वैराग्य की आवश्यकता नही है ? ६५
२. ध्यान की सिद्धि से क्या अनुभव होता है ? ४३
३. सो जन्मों द्वारा भी उत्तम भक्त होनेवाला वह इसी जन्म में कैसे उत्तम भक्त बन सकता है ? ४७
४. कृपानंद स्वामी के मंडल में नियम-धर्म की दृढ़ता का कारण क्या था ? ५७
५. खेत को उजड़े हुए देखकर कणबी हरिभक्तों ने क्या सोचा ? ७१
६. गरीब भगत को निन्यानवे रुपये की थेली देखकर क्या विचार आया ? ८५

प्रश्न.५. नीचे दी गई 'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखिए । **(५ गुण)**

१. नंदराजा ने संपूर्ण पृथ्वी का..... ८२

अथवा

नीचे दिए हुए 'वचनामृत' का विवरण लिखिए ।

वचनामृत गढडा प्रथम प्रकरण - ५४ ६०

प्रश्न.६. नीचे दिए हुए वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्यों को ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखिए । **(५ गुण)**

प्रसंग : राजाभाई । ६२

१. प्रगट भगवान आपके यहाँ पधारे हैं । २. में त्यागी बनने गढडा जाता हूँ । ३. आप और आपकी स्त्री दोनों धन्य हो गए हो । ४. हमारी आज्ञा यदि वो नहीं मानते तो हमारा संसार में रहना बेकार है । ५. हमारे मन की वृत्ति (विचार) उनकी ओर जा रही है । ६. जीवनभर श्रीजीमहाराज की आज्ञा, धर्म, नियम - दृढ़ता से पालन कर महाराज की प्रसन्नता प्राप्त की है । ७. ब्रह्मादिक देवतागण महाराज को नमस्कार कर के अंतर्धान हो गये । ८. मैंने भी यही सोचकर ना कहा था । ९. आपको मैं कहूँ वैसा करना है, या साधु बनना है ? १०. आपका यह उपवास (व्रत) आज पूरा हो गया ।

(पृष्ठ पलटिये)

प्रश्न.७. निम्न में से किन्हीं दो पंक्तियों को पूर्ण कीजिए। **(४ गुण)**

१. आवो मारा मोहन ..... जोऊँ खांतमां रे लोल । ६७

२. महाबलवंत माया तमारी ..... समझु अलौकिक ख्याल । ८१

३. वंदुं सहजानंद रसरूप ..... भजे तजी काम ने रे लोल । ६७

प्रश्न.८. निम्न में से किन्हीं दो को पूर्ण कीजिए । **(४ गुण)**

१. जनमंगल नामावलि में से रिक्त नाम पूर्ण करे ।

सहजानन्दाय नमः ... ... नैष्ठिकव्रतपोषकाय नमः ।। ५२

२. दिव्या कृतित्व ..... भक्तिधर्मतनयं शरणं प्रपद्ये ।। २७

३. दृष्टाः स्पृष्टा नता ..... सतां दुर्लभं स्यान्मुमुक्षोः ।। १०१

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम आवृत्ति, नवम्बर २००२

प्रश्न.९. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहते हैं यह लिखिए । **(६ गुण)**

१. ''अब से उल्टी गंगा नहीं बहेगी ।'' ७४

२. ''यदि ये मोठ आप में से कोई खा जाए तो अच्छा है ।'' ३३

३. ''धाम में जाना चाहते हो तो आपका पाँव लम्बा करो, तो मैं अभी उठाकर धाम में पहुँचा दूँ ।'' ८

प्रश्न.१०. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्तियों में) **(६ गुण)**

१. आखा के मुलजी श्रोत्रिय को पश्चात्ताप हुआ । ६५

२. मावजीभाई करांची गए । ७१

३. मुस्लिम स्वामी को भाव से नमस्कार करके चल दिए । ७६

४. अद्‌भुतानंद स्वामी, शुक स्वामी तथा पवित्रानंद स्वामी ने गुणातीतानंद स्वामी से माफी माँगी । ८३

प्रश्न.११. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में मुद्‌दासर नोंध लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **(८ गुण)**

१. विरक्ति । ३४

२. क्षमाशील । ३०

३. सेवावृत्ति । २९

४. जूनागढ़ मंदिर के महंत पद पर । ४४

प्रश्न.१२. निम्न प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिए । **(५ गुण)**

१. करसन बांभणिया कहाँ का रहनेवाला था । ५०

२. श्रीजीमहाराज ने मूलजी को वाढ़ में दर्शन दिए तब कौन-से वस्त्रधारण किए हुए थे ? १४

३. गुदड़ियाँ लेकर आते हुए स्वामी को कौन-से दरवाजे पर कौन मिला ? ४०

४. गुणातीतानंद स्वामी ने पार्षदों को घास काटने क्यों भेजा ? ५२

५. स्वामी ने साधुओं को क्या पालन करवाया ? ५४

प्रश्न.१३. निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । **(४ गुण)**

१. रसास्वाद सदा के लिए मिटाया । ६९

२. निश्चय कराया । ७३

३. दर्शन की उत्कट इच्छा । २१

प्रश्न.१४. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखिए । **(६ गुण)**

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. श्रीजीमहाराज ने गुणातीतानंद स्वामी की प्रशंसा की..... २०

(अ) ऐसे सद्‌गुरु तो ये गुणातीतानंद स्वामी हैं ।

(ब) दो सौ संतों में वृत्ति के निरोध करनेवाले मात्र आप ही निकले ।

(क) व्यवहार और मोक्ष दोनों सीखना हो तो जूनागढ में गुणातीतानंद स्वामी के पास जाना ।

(ड) धन्य है इन साधु को ! मेरा बचन नीचे नहीं गिरने दिया ।

२. पीपलाणा में मूलजी भक्त से भेंट होने पर नीलकंठ ने उनका क्या परिचय दिया ? ८

(अ) इन मूलजी भक्त को हमारे प्रति एकात्मभाव है ।

(ब) मूलजी बहुत प्रतापी है ।

(क) वे तो हमारे निवासरूप स्वयं अक्षरधाम अक्षरब्रह्म है ।

(ड) ये तो अनादिकाल से सत्संगी है ।

३. गुणातीतानंद स्वामी उपशम स्थिति (ध्यान) में लग गए । ६४

(अ) वासुदेवचरण स्वामी को शाश्वत शांति का अनुभव हुआ ।

(ब) हे राजा रहुगण ! तु एकोविद है ।

(क) वृत्तियों को दूरकर हमें देखते रहो तो कामनायें मिट जायेगी एवं वासना दूर हो जाएगी ।

(ड) सर्वोपरि पुरुषोत्तम के स्वरूप का और अक्षर के स्वरूप का ज्ञान पात्र-कुपात्र पहचाने बिना ही कहने लगे ।

विभाग-३ : ''सत्संग परिचय'' परीक्षा पुस्तकों पर आधारित - अंतिम आवृत्ति

प्रश्न.१५. निम्न में से किन्हीं तीन के बारे में २० पंक्तियों में विस्तृत नोंध लिखिए । (२१ गुण)

१. शिक्षापत्री का उल्लंघन मत करना । (सहजानंद चरित्र) **अथवा** १४४

१. पंचाला में बीमारी । (सहजानंद चरित्र) **अथवा** ११३

१. जेतलपुर में हिंसामुक्त यज्ञ । (सहजानंद चरित्र) **अथवा** ५५

१. मुक्तानंद स्वामी के भ्रम का नाश । (सहजानंद चरित्र) १६

२. नित्यानंद स्वामी । (सत्संग वाचनमाला - २) **अथवा** १

२. जागा भक्त । (सत्संग वाचनमाला - २) ५१

३. स्वरूपानंद स्वामी । (किशोर सत्संग परिचय) **अथवा** ९१

३. कुसंग । (किशोर सत्संग परिचय) **अथवा** ४४

३. हिमराज शाह । (किशोर सत्संग परिचय) ४७

४. निष्कासन वापस लिया । (प्रागजी भक्त) **अथवा** ४५

४. गुदड़ी में लाल । (प्रागजी भक्त) **अथवा** १९

४. मुझे स्वामिनारायण ने धारण कर रखा है । (प्रागजी भक्त) ३९

नोंध : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और प्रश्न. १५ में से तीन विस्तृत नोंध दिनांक १७ जुलाई, २००५ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं।

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १९ जून, २००५. परीक्षा - सत्संग प्रवीण - २. माध्यम - हिन्दी. समय - दोपहर २:०० से ५:००)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है। ६०२

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दी वह दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा दी तब का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : | | | | |

परीक्षार्थी की सही : केंद्र का नाम :

नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।